## श्रम विभाग

## दिनोंक 25 ग्रवत्वर, 1985

सं. ग्रो.वि./एफ.डी./135-85/43776.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. ए० पी० आई०. बेलिस इण्डिया लि०, 14/5, मथुरा रोड. फरीदाबाद, के श्रीमक तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रोडींगिक विवाद है;

भौर चूंकि राज्यपाल, हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हैतु निर्विष्ट करना बांछनीय समझले हैं ;

इसलिए, अब, भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (व) द्वारा प्रदान की गई गिक्सियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित श्रीक्षोगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अमिकों के बीच या तो बिबादग्रस्त मामले हैं, अववा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामले हैं, न्यायनिर्णय एवं पंचाट छ: मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

- (1) क्या संस्था के श्रमिक साल में दो जोड़ी टैरीकाट की वर्दी एवं एक जोड़ी कपड़े का (बाटा कम्पनी) का जूता एवं दो साल से एक सेंट गर्म वर्दी के हकदार हैं? यदि हां, तो किस विवरण से?
- (2) क्या संस्था के सभी श्रमिक 100 रुपये प्रति माह कैण्टीन भत्ता लेने के हकदार हैं? यदि हां, तो किस विवरण से?

स. ग्रो. वि./एफ.डी./78-85/43788.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. एण्डी वूलन एण्ड सिल्क मिल्ब, प्रा० लिं०, 14/3 मथुरा रोड, फरीदाबाद, के श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके वाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीखोगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि राज्यपाल, हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझतें हैं ;

इसलिए ग्रब, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रिविनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा हो राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रिविनियम की धारा 7-क के ग्रिधीन गठित ग्रीद्योगिक ग्रिविकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रिमकों के बीच यो तो विवादग्रस्त मामले हैं, ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामले हैं, न्यायनिर्णय एवं पंचाट छः मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:--

- (1) क्या संस्था में श्रमिक साल में दो जोड़ा दर्दी लेने के हकदार है? यदि हां, तो किस विवरण से?
- (2) क्या संस्था के सभी श्रमिक ग्राकस्मिक छुट्टी के साथ-साथ साल में 7 सिक लीव लेने के हकदार है? यदि हां, तो किस विवरण से?
- (3) क्या सँस्था के प्रत्येक श्रमिक की प्रति दिन ग्राधा किलो दूध एवं एक पाव गुड़ मिलना चाहिए? यदि हां, लो किस विवरण से ?

दिनांक 5 नवम्बर, 1985

स. थो. वि./पानी/79-85/44591.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. मैनेजिंग डायरेक्टर, एच०एस०एम० आई०टी०सी०, चण्डीगढ़; (2) कार्यकारी अभियन्ता, फेब्रीकेशन डिविजन, हरियाणा राज्य माईनर इरीगेशन टियूबवैल कारपोरेशन, करनाल, के अमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि राज्यपाल, हरियाणा, इस विवाद को न्यायनिर्णाय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गटित ग्रौद्योगिक प्राधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामले हैं, ग्रथवा बिवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामले हैं, न्यायनिर्णय एवं पंचाट छ: मास में देने हेत निर्दिष्ट करते हैं:--

क्या श्रमिक श्री अशोक कुमार वेत्डर विरिष्ठता के श्राधार पर जिस दिथि से उससे विनिष्ट वर्भचारी ५दे केत विये ग्ये . हैं उस तिथि से पदोन्नति का हुकदार बनता है ? यदि हां, तो किस विवरण से ?